चाँदी का झूला झूल रही | By Tripti Shakya |

चाँदी का झूला झूल रही
जगदम्बे महामाया

देवता सारे फूल बरसाते
इन्द्र भी तेरे दर दाती
चरणों को धोवन आया
चाँदी का झूला झूल रही
जगदम्बे महामाया

जेड़ा भी तेरे दर आया
दर पे आके शीश नवाया
उसने सब कुछ पाया
चाँदी का झूला झूल रही
जगदम्बे महामाया

ऊँचियाँ नीबियाँ चढ़ के चढ़ाइयाँ
दूरों-दूरों संगताँ आइयाँ
सबने दर्शन पाया
चाँदी का झूला झूल रही
जगदम्बे महामाया

चाँदी का झूला झूल रही
जगदम्बे महामाया

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%a6%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%9d%e0%a5%82%e0%a4%b2%e0%a4%be-%e0%a4%9d%e0%a5%82%e0%a4%b2-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a5%80-by-tripti-shakya/